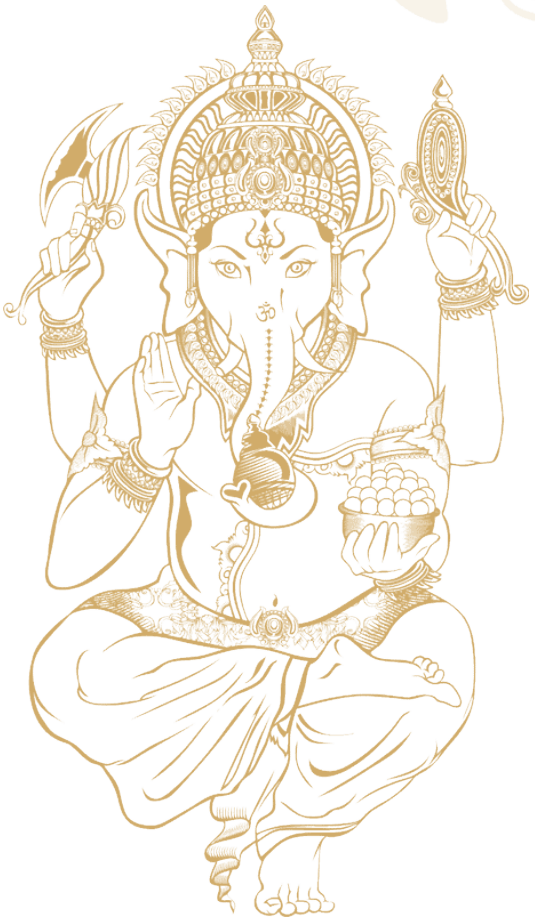

Mr.

28 Dec 2025

05:14 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120737106

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**28/12/2025**
दिन	रविवार
जन्म समय	**17:14:00 घंटे**
इष्ट	25:02:30 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:52:52 घंटे
वेलान्तर	-00:01:33 घंटे
साम्पातिक काल	23:21:40 घंटे
सूर्योदय	07:13:00 घंटे
सूर्यास्त	17:32:43 घंटे
दिनमान	10:19:44 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	12:46:11 धनु
लग्न के अंश	09:31:35 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 2**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	परिघ
करण	बालव
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दो-दौलत
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	09:31:35	325:35:36	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	---
सूर्य			धनु	12:46:11	01:01:08	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	मित्र राशि
चंद्र			मीन	21:34:11	13:53:26	रेवती	2	27	गुरु	बुध	सूर्य	सम राशि
मंगल		अ	धनु	15:46:49	00:45:50	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	मित्र राशि
बुध			वृश्चि	29:06:42	01:30:14	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	सम राशि
गुरु	व		मिथु	27:35:18	00:07:37	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र		अ	धनु	10:34:00	01:15:31	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
शनि			मीन	01:45:02	00:03:10	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	17:02:15	00:00:53	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	17:02:15	00:00:53	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:49:41	00:01:47	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:14:42	00:00:38	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	08:23:32	00:01:46	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	25:21:10	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:18

लग्न-चलित

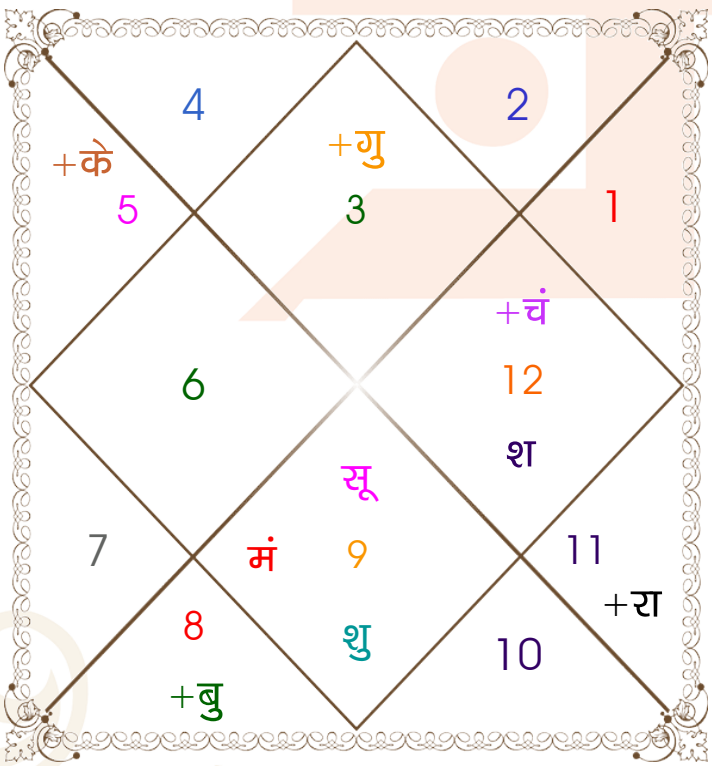

चन्द्र कुंडली

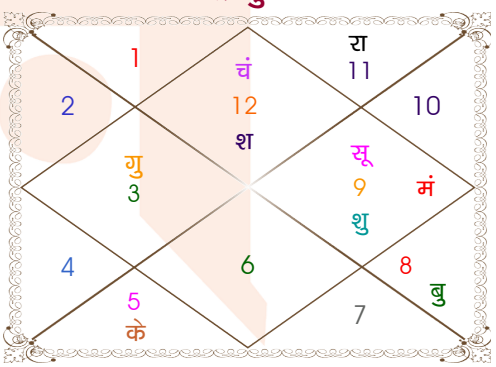

नवमांश कुंडली

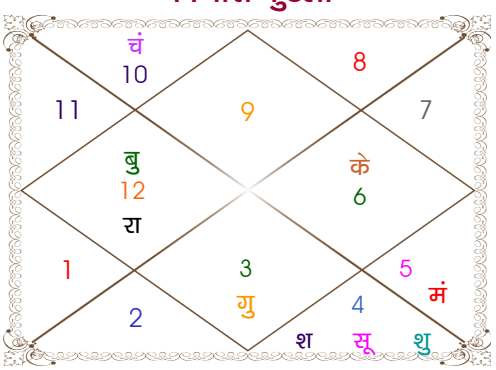

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 10 वर्ष 8 मास 29 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
28/12/2025		27/09/2036		28/09/2043		28/09/2063		27/09/2069	
27/09/2036		28/09/2043		28/09/2063		27/09/2069		28/09/2079	
	00/00/0000	केतु	23/02/2037	शुक्र	27/01/2047	सूर्य	15/01/2064	चंद्र	29/07/2070
	00/00/0000	शुक्र	25/04/2038	सूर्य	28/01/2048	चंद्र	16/07/2064	मंगल	27/02/2071
	28/12/2025	सूर्य	31/08/2038	चंद्र	27/09/2049	मंगल	21/11/2064	राहु	28/08/2072
सूर्य	28/10/2026	चंद्र	01/04/2039	मंगल	28/11/2050	राहु	16/10/2065	गुरु	28/12/2073
चंद्र	29/03/2028	मंगल	28/08/2039	राहु	27/11/2053	गुरु	04/08/2066	शनि	29/07/2075
मंगल	26/03/2029	राहु	15/09/2040	गुरु	28/07/2056	शनि	17/07/2067	बुध	27/12/2076
राहु	13/10/2031	गुरु	22/08/2041	शनि	28/09/2059	बुध	22/05/2068	केतु	29/07/2077
गुरु	18/01/2034	शनि	01/10/2042	बुध	29/07/2062	केतु	27/09/2068	शुक्र	29/03/2079
शनि	27/09/2036	बुध	28/09/2043	केतु	28/09/2063	शुक्र	27/09/2069	सूर्य	28/09/2079

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
28/09/2079		28/09/2086		28/09/2104		28/09/2120		29/09/2139	
28/09/2086		28/09/2104		28/09/2120		29/09/2139		00/00/0000	
मंगल	24/02/2080	राहु	10/06/2089	गुरु	16/11/2106	शनि	02/10/2123	बुध	25/02/2142
राहु	14/03/2081	गुरु	03/11/2091	शनि	30/05/2109	बुध	11/06/2126	केतु	22/02/2143
गुरु	17/02/2082	शनि	09/09/2094	बुध	05/09/2111	केतु	21/07/2127	शुक्र	23/12/2145
शनि	29/03/2083	बुध	29/03/2097	केतु	10/08/2112	शुक्र	20/09/2130	सूर्य	29/12/2145
बुध	25/03/2084	केतु	16/04/2098	शुक्र	11/04/2115	सूर्य	02/09/2131		00/00/0000
केतु	22/08/2084	शुक्र	17/04/2101	सूर्य	29/01/2116	चंद्र	02/04/2133		00/00/0000
शुक्र	22/10/2085	सूर्य	12/03/2102	चंद्र	30/05/2117	मंगल	12/05/2134		00/00/0000
सूर्य	27/02/2086	चंद्र	11/09/2103	मंगल	06/05/2118	राहु	18/03/2137		00/00/0000
चंद्र	28/09/2086	मंगल	28/09/2104	राहु	28/09/2120	गुरु	29/09/2139		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 10 वर्ष 8 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करना होगा। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होता है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलते रहे तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगे। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगे।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहते हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाते हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकते हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेते हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेते हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहते हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करते हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही हैं। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेते हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करते हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करते हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहते हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देते हैं। निम्नांकित बिन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।